दंड

Adelheid Marie Bwire
Melany Pietersen
Nandani
hindi
nivå 2

एक दिन, माँ को बहुत सारे फल मिले।

“क्या हम कुछ फल ले सकते हैं?” हमने पूछा। “हम फल को आज रात में खायेगे”, माँ ने कहा।

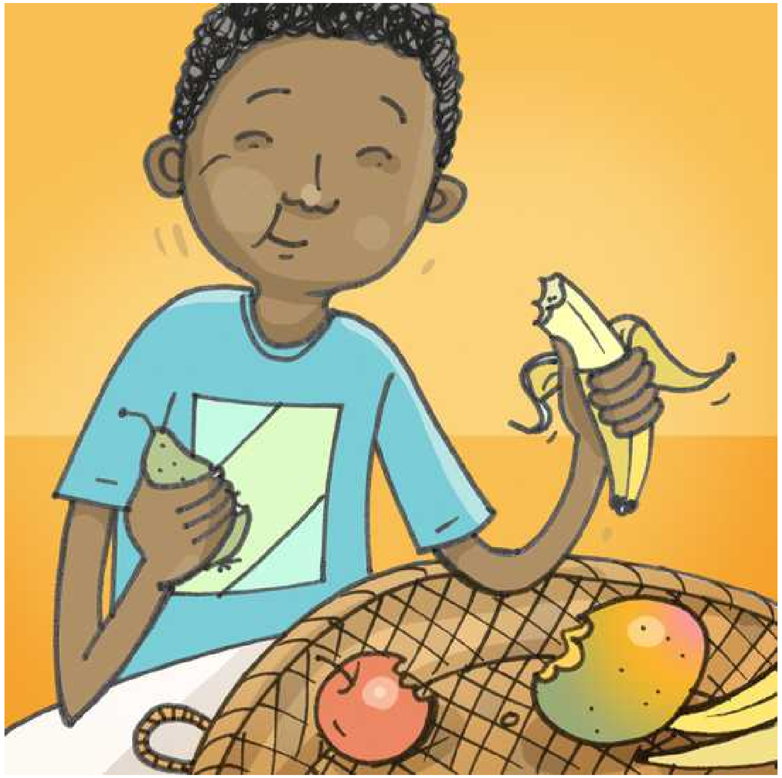

मेरा भाई रहीम लालची है। उसने सारे फल चखे। उसमें से बहुत सारे खा लिए।

“देखो रहीम ने क्या किया!” मेरा छोटा भाई चिलाया। “रहीम बदमाश और स्वार्थी है” मैंने कहा।

माँ रहीम पर गुस्सा हुई।

हम भी रहीम से गुस्सा थे। पर रहीम को अफसोस नहीं था।”

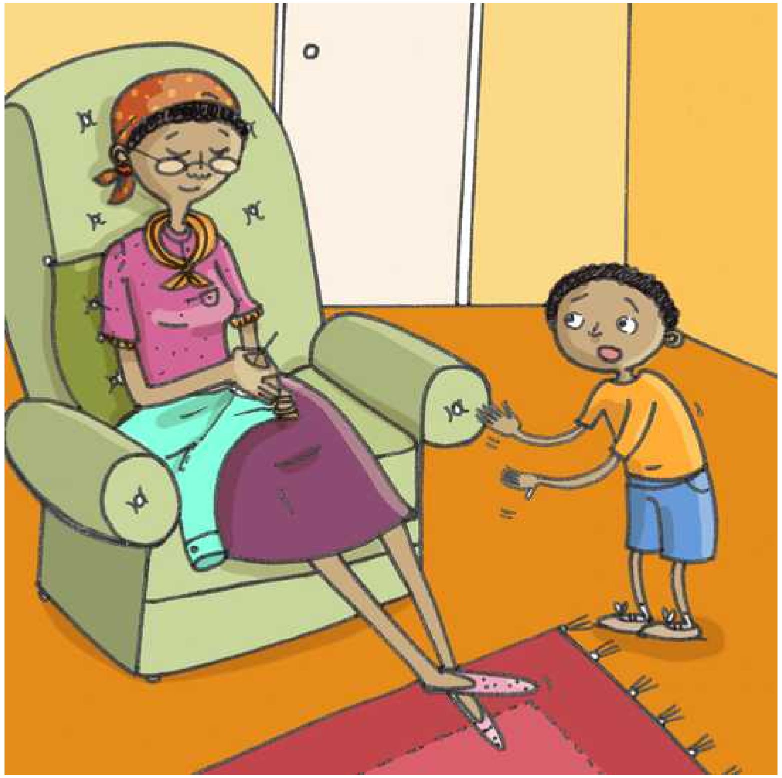

” आप रहीम को दंड नहीं देगी?” छोटे भाई ने पूछा।

“रहीम, तुमको जल्द ही अफ़सोस होगा”, माँ ने चेतावनी दी।

रहीम बीमार महसूस करने लगा।

“मेरे पेट में बहुत दर्द हो रहा है”, रहीम बुदबुदाया।

माँ जानती थी कि ये होगा। फल रहीम को दंड देगें।

बाद में, रहीम ने हम से माफ़ी मांगी। “मैं “मैं कभी भी इतना लालची नहीं होऊँगा,” उसने वचन दिया। और हम सबने उसपर भरोसा किया।

Barnebøker for Norge

barneboker.no

दंड

Skrevet av: Adelheid Marie Bwire
Illustret av: Melany Pietersen
Oversatt av: Nandani

Denne fortellingen kommer fra African Storybook (africanstorybook.org) og er videreformidlet av Barnebøker for Norge (barneboker.no), som tilbyr barnebøker på mange språk som snakkes i Norge.

Dette verket er lisensiert under en Creative Commons
Navngivelse 3.0 Internasjonal Lisens.